करियर बेस्ट: (ग्रो बिंग विद एग्रीबिजनेस)

परिप्रेक्ष्य

युवाओं केलिए **बेरोज़गारी** और कॉरपोरेट्स के लिए **लोगों की अनुपलब्धता** प्रमुख चुनौतियाँ हैं। प्रथम दृष्टया ये दोनों चुनौतियाँ विरोधाभासी लगती हैं, क्योंकि अगर रोजगार चाहने वाले लोग अधिक (या बेरोज़गार) हैं, तो कॉरपोरेट्स के लिए लोग उपलब्ध कैसे नहीं हैं ? या फिर इसके विपरीत। समुचित विश्लेषण से पता चलता है कि खासकर कृषि व्यवसाय क्षेत्र में **कॉरपोरेट्स** के लिए अनुकूल लोग और **युवाओं** के लिए सार्थक रोज़गार की कमी है । और इसलिए ये एक गंभीर चुनौती है ।

वर्तमान स्थिति:

नियोक्ता: कृषि व्यवसाय से जुड़े अधिकांश कॉर्पोरेट घराने वास्तव में छोटे से मध्यम दर्जे के हैं, और बड़े- बहुत ही कम हैं, लेकिन सभी के सामने चुनौतियाँ लगभग एक जैसी ही हैं। बड़े व्यवसायिक घराने इन चुनौतियों के प्रभाव को कम करने केलिए तुलनात्मक रूप से बेहतर कर्मचारियों का चयन, इन-हाउस ओरिएंटेशन प्रोग्राम, क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान और कुछ हद तक ऑन-फील्ड प्रशिक्षण आदि उपाय करते है ।

लेकिन अधिकतर नियोक्ता अपेक्षाक्तृत कम गुणी (उपलब्ध लोगों) के साथ 3, 4 या यहाँ तक कि 5 साल तक भी संघर्ष करते हैं और ऑन-जॉब प्रशिक्षण के माध्यम से लगातार खर्च करते रहते हैं, ताकि वे कुछ ज़िम्मेदारियाँ निभा सकें और जीवित रहने के लिए कुछ भी राजस्व ला सकें। स्थिति तब और खराब हो जाती है, जब आंशिक रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी या तो प्रतिस्पर्धियों द्वारा नियोजित कर लिए जाते हैं या वे मामूली लाभ के लिए आपको छोड़ देते हैं।

कर्मचारी और/या बेरोजगार युवा: बड़ी कंपनियों की ही तरह, यहाँ भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले या कहें कुछ गिने चुने छात्रों को उचित प्लेसमेंट मिल पाता है; जबकि जीविका की तलाश में बेरोजगार युवा, अपनी रुचि, योग्यता, कौशल, स्थान आदि की परवाह किए बिना, विषम नौकरियां और/या कम से कम पैकेज भी स्वीकार कर लेते हैं और संघर्ष शुरू हो जाता है...चुनौतियां जारी हैं...। जबकि इनसे बहुत बड़ी संख्या उनकी ही जो लगातार भटक रहे होते हैं।

इसके अलावा, जो लोग काम में लगे हुए हैं, उन्हें भी एक निश्चित स्तर से आगे बढ़ना मुश्किल लगता है। ज़्यादातर मामलों में, कई सालों तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करने के बावजूद, उन्हें वांछित तरक्की

नहीं मिलती। कई बार स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो जाती है; और आगे बढ़ना तो दूर यथास्थिति बनाए रखने की चुनौती कई गुना बढ़ जाती है।

कृषि व्यवसाय से जुड़े कुछ रोजगारों में शामिल हैं,

- **बिज़नेस प्लानिंग**
- **मार्केटिंग एवं उत्पाद स्थापन**
- **सेल्स (इंस्टीटूशनल, B2B - थोक, B2C- खुदरा आदि)**
- **उत्पाद विकास (उत्पाद परिक्षण सहित)**
- **व्यवसाय विकास**
- **अनुशंधान एवं विकास**
- **उत्पादन एवं गुणवत्ता प्रबंधन**
- **स्वरोजगार और प्रक्षेत्र सलाहकार आदि**

कार्यक्रम: टीम hFसर्विस

ऐसे उभरते मुद्दों का समाधान करने या भविष्य में ऐसी चुनौतियों का सामना करने से बचने के लिए, कृषि और कृषि-व्यवसाय क्षेत्र में 3 दशकों से अधिक के प्रत्यक्ष अनुभव वाले पेशेवरों से बनी टीम hFसर्विस, 'कैरियर से संबंधित' उपयोगी क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करती है, जैसे:

1. **गैर-कृषि वालों के लिए कृषि**
2. **फ्रेशर्स बूस्टर**
3. **छोटी पुड़िया (क्विक रिकैप)**
4. **मजधार में सहारा (मिड-करियर पुश)**

1. गैर-कृषि वालों के लिए कृषि

कृषि व्यवसाय में गैर-कृषि शिक्षित लोग भी काफी बड़ी संख्या में नौकरी करते हैं और कृषि में औपचारिक रूप से प्रशिक्षित न होने के कारण उन्हें आगे बढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। कई बार वे अनजाने में गलतियां कर बैठते हैं और कर्मचारी तथा नियोक्ता दोनों को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

'गैर-कृषि वालों के लिए कृषि', एक लघु अवधि का ऑनलाइन/ऑनसाइट* ओरिएंटेशन कार्यक्रम है, जो 0 से 2 वर्ष के अनुभव वाले व्यक्तियों (नौकरी की तलाश कर रहे बेरोजगारों) के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से जुड़े कॉर्पोरेट्स में काम कर रहे कर्मचारियों के एक समूह के लिए है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि एवं कृषि व्यवसाय क्षेत्र की एक झलक, वर्तमान स्थिति, खेतों और किसानों से जुडी व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान करना है; तथा विशिष्ट जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक

संभालने के लिए समुचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण देना है, ताकि व्यावहारिक रूप से उन्हें तैयार किया जा सके।

कार्यक्रम के लाभ:

व्यक्तिगत (युवा)	**कॉर्पोरेट्स** (नियोक्ता)
1. कृषि व्यवसाय क्षेत्र की व्यापक समझ 2. रोजगार से जुड़े प्रतिस्पर्धा के बाजार में अकूत संभावना 3. आत्मविश्वास में वृद्धि, नौकरी में बेहतर प्रदर्शन 4. निर्णय लेने / समस्या समाधान के कौशल में वृद्धि 5. तेज़ कैरियर विकास (पदोन्नति और वेतन वृद्धि), बेहतर पहचान और पुरस्कार आदि।	1. कर्मचारियों की उत्पादकता में वृद्धि 2. कर्मचारियों की अधिक संख्या में प्रतिधारण और स्थाई विकास 3. नियोक्ता के रूप में गुणात्मक बढ़त 4. हर स्तर पर पर्याप्त प्रतिभा उपलब्ध 5. कम समय में अधिक लाभ - ROI (निवेश पर प्रतिफल)

2. फ्रेशर्स बूस्टर

भारत के विभिन्न राज्यों में संचालित अधिकांश कृषि विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देध्य संपूर्ण प्राथमिक उत्पादन क्षेत्र से सम्बंधित अधिक से अधिक जानकारी सुनिश्चित करना है। इसलिए इसमें विविध विषयों - फसलें, फल, सब्जियाँ, फूल, सूक्ष्म जीव विज्ञान, पशुपालन, मुर्गी पालन, मछली पालन आदि शामिल हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की झलक के साथ-२ वहां की जरूरतों को भी समझा जा सके।

'निश्चित ही यह विविधता छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के व्यापक आधार से लैस करती है, परन्तु इसमें अक्सर वास्तविक दुनिया के कृषि व्यवसाय वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक व्यावहारिक जानकारी का अभाव होता है और उसे समावेशित करना संभव भी नहीं है।'

"फ्रेशर्स बूस्टर" एक ऑनलाइन/ऑनसाइट* कार्यक्रम है जो रोजगार और पेशेवर दुनिया में प्रवेश के इक्षुक युवाओं, व्यक्तियों और/या समूह (कृषि फ्रेशर्स) के लिए है। इस कार्यक्रम में औपचारिक प्रशिक्षण के व्यावहारिक पहलुओं का विवरण, सभी तरह के उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी और उद्देश्य प्राप्ति में आने वाले चुनौतियों के समाधान करने के लिए आसान सुझाव शामिल हैं।

कार्यक्रम के लाभ:

1. **कैरियर चुनाव केलिए स्पष्ट दिशा**
2. **ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग**
3. **आत्मविश्वास में वृद्धि और साक्षात्कार केलिए बेहतर तैयार**
4. **शुरुआत से ही उचित वेतन की संभावनाएँ**
5. **रोजगार और पेशेवर दुनिया में उत्कृष्टता**

3. **छोटी पुड़िया** (क्विक रिकैप)

विकास चाहे व्यक्तिगत हो या व्यावसायिक, इनका सीधा सम्बन्ध परिवर्तन से है क्योंकि परिवर्तन और विकास के दूसरे से गहरी जुडी हैं। जबकि व्यावहारिक दुनिया में, कुछ वर्षों तक (2 से 5 या 7 साल तक) किसी निश्चित नियोक्ता (संगठन) के साथ काम करने या एक जैसे ही काम से जुड़े रहने के कारण कृषि व्यवसाय के व्यापक रुझानों और उनमे हो रहे परिवर्तन से अवगत रहना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसका परिणाम ये होता है कि बहुत मेहनत करने के बावजूद भी हमारी वृद्धि की रफतात धीमी हो जाती है, साथ ही नए अवसरों को टटोलने के लिए हम हिम्मत जुटाने में हिचकिचाते है।

"छोटी पुड़िया" एक ऑनलाइन प्रोग्राम है जो एग्रीबिजनेस से जुड़े रोजगारियों और पेशेवरों को इन वाधाओं को आसानी से पार करने के लिए उनकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से परे 'पूर्व में अर्जित ज्ञान को ताज़ा करने, वर्तमान प्रचलन उद्योग के रुझानों से अवगत कराने, और उन्हें पाने के लिए तैयार करता है। यह खास कार्यकर्म व्यवसाय में एक या दूसरी गतिविधि से जुड़े विशिष्ट समूह के लिए विशेष ध्यान देता है।

कार्यक्रम के लाभ:

1. **नवीनतम जानकारी और उभरते वर्तमान रुझान से अवगत।**
2. **अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालने की तत्परता**
3. **नए अवसरों के लिए तैयारी**
4. **तेज़ कैरियर विकास**

4. **मजधार में सहारा** (मिड-करियर पुश)

बढ़ते समय के साथ ही करियर और विकास में ठहराव आ जाता है। विकल्प सीमित हो जाते हैं और कई बार लोग घुटन महसूस करते हैं। स्थिति चुनौतीपूर्ण हो जाती है जब आप जैसे एक अपेक्षाकृत वरिष्ठ व्यक्ति

को धीमे करियर विकास के साथ-२ अपने से कम अनुभवी व्यक्ति (आप से अधिक पैकेज वाले) के साथ काम करना पड़ता है। ऐसा तब भी होता है जब आप अपना 100 प्रतिशत दे रहे हैं।

यदि आप भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो " मजधार में सहारा" नई रोशनी देखने के लिए एक बेहतरीन साधन है। यह ऑनलाइन कार्यक्रम विशेष रूप से उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो वास्तव में कुछ बड़ा करना चाहते हैं ।

कार्यक्रम के लाभ:

1. **बेहतर नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन कौशल**
2. **रणनीतिक योजना और सफल क्रियान्वयन**
3. **विविध भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए तैयारी**
4. **पेशेवर उत्कृष्टता और पहचान**
5. **अपेक्षाओं से परे उपलब्धियाँ**